

हरिभूमि भिवानी-दादरी मूमि

रोहतक, सोमवार 31 अगस्त 2026

खबर संक्षेप

कष्ट निवारण समिति की मासिक बैठक आज

भिवानी। उपायुक्त साहिल गुप्ता की अध्यक्षता में 31 अगस्त को दोपहर 2:00 बजे पंचायत भवन में जिला लोक संपर्क एवं कष्ट निवारण समिति की मासिक बैठक आयोजित की जाएगी। नगराधीश अनिल कुमार ने बताया कि बैठक में कुल 12 परिवार रखे जाएंगे। इन 12 परिवारों में चार परिवार पुराने हैं तथा 8 नए परिवार हैं। उपायुक्त द्वारा सभी परिवारों की सुनवाई की जाएगी और उनके समाधान के लिए मौके पर मौजूद संबंधित विभागों के अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिए जाएंगे।

11.26 ग्राम हेरोइन सहित व्यक्ति पकड़ा

भिवानी। पुलिस की सीआईए स्टाफ प्रथम टीम ने आरोपी को मादक पदार्थ हेरोइन सहित गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार सीआईए स्टाफ प्रथम भिवानी के एएसआई कृष्ण कुमार अपनी पुलिस टीम के साथ चिड़ियाघर, भिवानी के पास ड्यूटी पर मौजूद थे। इसी दौरान पुलिस टीम को विश्वसनीय सूत्रों से सूचना प्राप्त हुई कि एक व्यक्ति हुड्डा पार्क के पिछले गेट के पास मादक पदार्थ लेकर बेचने की फिराक में खड़ा है। सूचना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस टीम ने बनाए गए स्थान पर रेड की और व्यक्ति को मादक पदार्थ सहित काबू किया। गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान सीनू उर्फ बच्ची निवासी अमर नगर, टिब्बा बस्ती, हनुमान ढाणी, भिवानी के रूप में हुई। पुलिस टीम ने आरोपी के कब्जे से 11.26 ग्राम हेरोइन बरामद की।

माइनर पर गश्त कर रहे किसानों से गाली-गलौज

हरिभूमि न्यूज ►► बवानीखेड़ा

बलियाली माइनर पर पानी की चोरी रोकने गए किसानों के साथ कुछ लोगों ने गाली गलौच, धमकी देने व अभद्र व्यवहार किया। साथ ही युवकों ने माइनर से चले जाने की भी धमकी दी। धमकी देने वाले किसान पानी की चोरी के फिराक में थे। इसी बात को लेकर रिविवार सुबह गांव बलियाली के किसान बवानीखेड़ा थाने में पहुंचे और गश्त कर रहे किसानों को धमकाने के आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। गांव के सरपंच सचिन ने दी शिकायत में बताया कि उन्होंने बलियाली माइनर की पानी चोरी रोकने के लिए किसानों की एक कमेटी बनाई हुई है। ताकि पानी की चोरी रोक कर गांव के जलधर में पूरा पानी लाया जा सके।

गठित कमेटी के सदस्य रात दस बजे के आसपास माइनर पर गश्त कर रहे थे। वे हैड से किलोमीटर चले और बवानीखेड़ा की सीमा में आए तो वहां पर करीब आठ से दस लड़के बैठे हुए थे। सभी ने गांव का सेवन किया हुआ था। उन्होंने उनका रास्ता रोक लिया और उनके चारों तरफ चक्कर लगाने लगे। इस दौरान

»» कचरा उठान को लेकर एजेंसी कर्मियों से टकराव, रिहाई के बाद चरखी गेट पर फिर हंगामा

बस स्टैंड रोड पर विवाद के चलते हिरासत में लिए 10 कर्मचारी

■ सफाई कर्मचारियों का आंदोलन 25वें दिन भी जारी

हरिभूमि न्यूज ►► चरखी दादरी

शहर में सफाई कर्मचारियों की हड़ताल रविवार को 25वें दिन भी जारी रही। इस दौरान कचरा उठाने को लेकर हड़ताली सफाई कर्मचारियों और नगर परिषद की ओर से वैकल्पिक व्यवस्था के तहत लगाए गए एजेंसी कर्मचारियों के बीच विवाद हो गया।

विवाद बढ़ने पर पुलिस ने सफाई कर्मचारी यूनियन के प्रधान सूरज कुमार समेत करीब 10 कर्मचारियों को हिरासत में ले लिया। करीब दो घंटे बाद सभी को रिहा कर दिया गया। जानकारी

के अनुसार, रविवार सुबह करीब साढ़े आठ बजे एजेंसी की टीम बस स्टैंड रोड पर कचरा उठाने पहुंची थी। हड़ताली कर्मचारियों ने इसका विरोध किया। कहासुनी के बाद दोनों पक्षों में विवाद बढ़ गया। मौके पर मौजूद पुलिस ने स्थिति संभालते हुए यूनियन प्रधान सूरज कुमार सहित गुरमीत, दीपक, ऋषिपाल, प्रमोद, मनोज, रिकू, रोहित, संजय, रामकला व शशि कुमार को हिरासत में लेकर सिटी थाना पहुंचाया। साथियों की हिरासत की सूचना मिलने पर अन्य सफाई कर्मचारी पुराना डाकघर के पास स्थित कचरा डंपिंग प्लाईट पर एकत्रित हो गए और पुलिस-प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी। प्रदर्शनकारी भगवान



परशुराम चौक के पास पहुंचे तो पुलिस ने हिरासत में लिए कर्मचारियों को छोड़ दिया। रिहाई के बाद कर्मचारी वापस डंपिंग प्लाईट पर लौट आए। कुछ देर बाद उन्हें सूचना मिली कि चरखी

दरवाजा क्षेत्र में पुलिस सुरक्षा के बीच कचरा उठाया जा रहा है। कर्मचारी मौके पर पहुंचे तो जेसीबी चालक वहां से चला गया। विरोध के दौरान कर्मचारियों ने कचरे से भरी ट्रैक्टर-

2 सितंबर तक बड़ी हड़ताल , कर्मचारी आज निकालेंगे मशाल जुलूस भिवानी नग्न कार्यालय में नग्न कर्मचारी संघ एवं हरियाणा अग्निशमन विभाग कर्मचारी यूनियन की हड़ताल गत छह अगस्त से शुरू थी और रविवार को 25वें दिन में प्रवेश कर गई। कर्मचारियों ने हड़ताल को अब दो सितंबर तक बढ़ा दिया है और 31 अगस्त को शहर में मशाल जुलूस निकालकर सरकार व प्रशासन के कार्यप्रणाली के खिलाफ रोष जताया जाएगा। एक तरफ हड़ताली कर्मचारी गत 13 मई का समझौता फेंसला लागू करवाने की बात पर अड़े हैं और किसी भी सूरत में झुकने को तैयार नहीं हैं, वहीं दूसरी ओर सरकार व प्रशासन की तरफ से कोई वार्ता पहल नहीं हो रही, जिसके चलते शहर में गंदगी फैली हुई है। जिला प्रशासन शहर में लगे कूड़े के ढेरों को पुलिस की मौजूदगी में जबरदस्ती उठाकर डंपिंग प्लाईट पर मजबूर रहा है, लेकिन जब तक हड़ताल खत्म नहीं होती शहर के सौंदर्यीकरण को ऐसे ही बहण लगा रहेगा।

ट्राली को सड़क के बीच खाली करवा दिया और ट्रैक्टर के टायरों की हवा निकाल दी। इससे सड़क पर कचरा फैल गया और काफी देर तक तनाव की स्थिति बनी रही। यूनियन प्रधान सूरज

कुमार ने कहा कि सरकार ने कर्मचारियों की जायज मांगों पर अभी तक कोई ठोस निषेधी नहीं लिया है। मांगें जरूर लागू नहीं हुईं तो आंदोलन और तेज किया जाएगा।



भिवानी। सांसद धर्मवीर सिंह को ज्ञापन सौंपते हुए।

फोटो : हरिभूमि

सौंदर्यीकरण कार्य की मांग को लेकर सांसद को सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ►► भिवानी

लघु सचिवालय परिसर में स्थित संविधान निर्माता बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा स्थल के सौंदर्यीकरण कार्य को शीघ्र शुरू करवाने की मांग को लेकर रविवार को डॉ. बी.आर. आंबेडकर मेमोरियल सोसायटी के पदाधिकारियों एवं समाज के गणमान्य लोग सांसद चौधरी धर्मवीर सिंह से उनके निवास स्थान पर माइक और ज्ञापन सौंपा।

इस दौरान समाज के गणमान्य लोगों एवं सोसायटी पदाधिकारियों ने सांसद धर्मवीर सिंह को अवगत करवाते हुए बताया कि 6 दिसंबर को डॉ. आंबेडकर महापरिनिर्वाण दिवस के अवसर पर लघु सचिवालय परिसर स्थित डॉ. भीमराव आंबेडकर प्रतिमा स्थल पर आयोजित कार्यक्रम में वे बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित हुए थे। उस अवसर पर सोसायटी द्वारा प्रस्तुत मांग-पत्र पर उन्होंने प्रतिमा स्थल के सौंदर्यीकरण के लिए सांसद निधि से 10 लाख रुपए की राशि देने की घोषणा की थी। सोसायटी के पदाधिकारियों ने बताया कि सांसद निधि की उम्त राशि संबंधित पीडब्ल्यूडी बीएंडआर विभाग को

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर समाज के गणमान्य लोगों एवं सोसायटी पदाधिकारियों में चिरजीलाल सावरिया, कामरेड ओमप्रकाश, कर्मचारी नेता मास्टर सुखदर्शन सरोहा, हरिराम, सीताराम रंगा, डॉ. धर्मवीर सिंह, महेंद्र सिंह, सुरेंद्र कुमार, समाजसेवी लक्ष्मण गौड़, सोसायटी अध्यक्ष दिनेश कुमार, सचिव विजय तालू, कोषाध्यक्ष वनदीप सिंगल, मास्टर सुंदर, युवा नेता धीरज, छात्र नेता सुमित बराड़ सहित अन्य पदाधिकारी एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

ट्रांसफर की गई थी, लेकिन काफी समय बीत जाने के बावजूद विभाग द्वारा इस कार्य का एस्टीमेट तैयार नहीं किया गया और न ही सोसायटी को इस संबंध में लिखित रूप से कोई जानकारी दी गई। सोसायटी के अध्यक्ष दिनेश कुमार ने कहा कि पीडब्ल्यूडी बीएंडआर विभाग के अभियंता लोकेश डागर से बातचीत कर सोसायटी को ओर से प्रस्तावित सौंदर्यीकरण का नक्शा उपलब्ध करवाने के निर्देश दिए थे। सोसायटी ने सौंदर्यीकरण का नक्शा 12 मार्च 2026 को पीडब्ल्यूडी बीएंडआर विभाग के अभियंता को उपलब्ध करवा दिया गया था।

103 वाहनों की जांच, 5 चालान दुष्कर्मी को 10 साल का कारावास

हरिभूमि न्यूज ►► लोहारू

पुलिस महानिदेशक के आदेशानुसार तथा पुलिस अधीक्षक भिवानी के निर्देशन में जिला पुलिस द्वारा अपराध एवं अपराधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने के उद्देश्य से रात्रिकालीन विशेष चेंकिंग अभियान चलाया गया। रात्रि

■ रात्रि 12 :00 बजे से सुबह 5:00 बजे तक चला अभियान 12:00 बजे से सुबह 5:00 बजे तक थाना लोहारू क्षेत्र में नाका पिलानी रोड पर विशेष चेंकिंग अभियान चलाया गया। अभियान का नेतृत्व उप पुलिस अधीक्षक लोहारू संजीव कुमार द्वारा किया गया। विशेष चेंकिंग अभियान में थाना लोहारू, डिटेक्टिव स्टाफ लोहारू, पुलिस लाइन भिवानी तथा इंटरसेप्टर इंचांच, कमांडो दस्ता सहित पुलिसकर्मी एवं महिला पुलिसकर्मी शामिल रहे।

30 सितंबर तक आपतियां व दावे किए जाएंगे स्वीकार मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 6 नवंबर को होगा

भिवानी। डीसी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी साहिल गुप्ता ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग ने हरियाणा में विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान की तारीखों में फ़िर से बदलाव किया है। उन्होंने बताया कि संशोधित कार्यक्रम के अनुसार दावे एवं आपतियां 31 जुलाई से 30 सितंबर 2026 तक दाखिल की जा सकेंगी। इसके साथ ही दावे एवं आपतियों का निपटारा 31 जुलाई से 28 अक्टूबर तक करना होगा। संशोधित कार्यक्रम के तहत मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन अब 6 नवंबर को होगा। उन्होंने बताया कि मतदाताओं के हितों का ध्यान रखते हुए चुनाव आयोग ने तारीखों में बदलाव किया है। इससे उम्र पात्र नागरिकों को राहत मिलेगी जो किसी कारणवश निर्धारित अवधि में मतदाता सूची से संबंधित दावा या आपति दर्ज नहीं करा सके हैं। उन्होंने बताया कि प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में शामिल करने और सूची में दर्ज मतदाताओं के विवरण को त्रुटिरहित बनाने के उद्देश्य से आयोग के दिशा निर्देश अनुसार कार्य किया जा रहा है। यदि किसी पात्र व्यक्ति का नाम मतदाता सूची में शामिल नहीं है, तो फॉर्म-6 के माध्यम से नाम शामिल करवाने के लिए आवश्यक दस्तावेजों तथा घोषणा-पत्र सहित दावा प्रस्तुत किया जा सकता है। जिला के सभी नागरिकों से अपील है कि वे मतदाता सूची में अपना नाम और विवरण अवश्य जांच लें।



रात्रिकालीन चेंकिंग के दौरान पुलिस टीम द्वारा कुल 103 वाहनों की गहनता से जांच की गई। यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए ट्रिंकिंग ड्राइव के 05 चालान किए गए। भिवानी एसपी सुमित कुमार के निर्देशन में जिला पुलिस द्वारा सौंदर्यीकरण एवं वाहनों की जांच के साथ-साथ रात्रि के समय कानून व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने के लिए विशेष चेंकिंग अभियान चलाए जा रहे हैं।

होटल में जुआ खेलते चार दबोचे , 3.60 लाख बरामद

हरिभूमि न्यूज ►► चरखी दादरी

दादरी स्पेशल स्टाफ पुलिस टीम ने जुआ खेलने वालों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए स्थानीय चिड़िया रोड स्थित होटल में छापेमारी की। पुलिस ने होटल के कमरे से चार लोगों को ताश पर जुआ खेलते हुए काबू किया। आरोपितों के कब्जे से कुल 3 लाख 60 हजार 940 रुपये की जुआ राशि और ताश के पत्ते बरामद किए गए। पुलिस ने होटल मालिक को भी गिरफ्तार किया है।

पुलिस प्रवक्ता योगेश कुमार के अनुसार, शनिवार को स्पेशल स्टाफ की टीम एसआई सतीश कुमार के नेतृत्व में रावलधी चौक के पास गश्त कर रही थी। इसी दौरान पुलिस को सूचना

■ दादरी स्पेशल स्टाफ पुलिस टीम ने होटल मालिक को भी किया गिरफ्तार

मिली कि चिड़िया रोड स्थित एक होटल में तीन पत्ती ताश पर 200 रुपये के बूट लगाकर जुआ खेला जा रहा है। सूचना में यह भी बताया गया कि होटल मालिक जुआ खेलने के लिए कमरा उपलब्ध करवा रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने होटल पर रेड की। मौके पर चार व्यक्ति जुआ खेलते मिले। पुलिस ने दिलबाग एवं पप्पू निवासी खोरड़ा, राजेश निवासी पैतावास कल्याण, जयप्रकाश निवासी बिरही कलां और नवीन निवासी बेरला को काबू कर लिया। तलाशी के दौरान दिलबाग से 98 हजार रुपये,



अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार 3 फरवरी 2025 को थाना बहल में अभियोग दर्ज की गई थी। पीड़िता के पिता द्वारा पुलिस को शिकायत दी गई थी कि उनकी नाबालिक बेटी को राजेश पुत्र रमेश, निवासी पिंजीखरा, थाना तोशाम, को दस साल की कैद की सजा सुनाई है।

जिला भिवानी बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया है तथा उसके साथ दुष्कर्मी किया गया। पुलिस द्वारा आरोपी को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के सम्मुख पेश किया गया तथा अनुसंधान के दौरान आवश्यक साक्ष्य एवं दस्तावेज न्यायालय के सम्मुख प्रस्तुत किए गए। प्रभावी पैरवी के परिणामस्वरूप न्यायालय द्वारा आरोपी को दोषी ठहराते हुए दोषी आरोपी राजेश पुत्र रमेश, निवासी गांव पिंजीखरा, थाना तोशाम को दस साल की कैद की सजा सुनाई है।

पिता ने लाइसेंसी हथियार से किया पुत्र पर हमला, बाल-बाल बचा बेदा

बवानी खेड़ा। क्षेत्र के गांव पुर में राखी के त्योहार पर आए फतेहबाद पुलिस में तैनात पुर निवासी सिपाही पर उसी के पिता ने अपनी लाइसेंसी रिवॉल्वर से फायर कर दिया तथा गमनीत रही कि इस हमले में पुत्र बाल बाल बचा। हमले की

शिकायत पुत्र ने पुलिस में दी तथा पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी। पुलिस में दी गई शिकायत में पुर निवासी संदीप पुत्र अमोर सिंह ने बताया कि वे तीन भाई-बहन हैं तथा उनके पिताजी रिटायरमेंट फौजी हैं। जिससे अपना लाइसेंसी रिवॉल्वर लिया हुआ है। तथा वह खुद हरियाणा

पुलिस में सिपाही के पद पर फतेहबाद पुलिस लाइन में तैनात है। वह राखी के त्योहार पर अपने घर पर में आया हुआ था। अगले दिन सुबह किसी बात को लेकर उसकी अपने पिता के साथ कहासुनी हो गई। जिसमें उसके पिता ने उसके ऊपर अपने लाइसेंसी रिवॉल्वर से हवाई फायर कर दिया। जिसमें वह बाल बाल बचा तथा बीच बचाने में उसका बड़ा भाई सतीश व मां तथा परिवार के अन्य सदस्यों ने उसके पिता जी का असला छीन लिया। तथा पदस्थियों ने भी आकर उसे बीच बचाव किया लेकिन उसके पिताजी ने फिर उसे जान से मारने की धमकी भी दे डाली। इसकी शिकायत संदीप ने पुलिस में दी। वहीं थाना प्रभारी सुरेश कुमार ने बताया कि संदीप की शिकायत पर उसके पिता के खिलाफ मामला दर्ज किया है तथा जांच शुरू कर दी है।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी : लोक-संस्कृति और जीवन दर्शन

जन्माष्टमी के दिन हरियाणा के ग्रामीण और शहरी दोनों ही अंचलों में व्रत रखने की एक अत्यंत कठोर और पवित्र लोक परंपरा सदियों से चली आ रही है। श्रद्धालु दिनभर निर्जला या फलाहारी व्रत का संकल्प लेते हैं और जैसे-जैसे भादों की अंधेरी रात में मध्यरात्रि के बारह बजने का समय करीब आता है, हर घर और मंदिर में एक अलौकिक प्रतीक्षा का भाव छा जाता है।



पर्व

आँचल शर्मा

भाद्रपद मास के कृष्ण पक्ष में जब वर्षा ऋतु अपने चरम पर होती है और हरियाली से धरती का कोना-कोना खिल उठता है, तब हरियाणा का जनमानस एक अद्भुत आध्यात्मिक और सांस्कृतिक उल्लास में डूब जाता है। हरियाणा में योगेश्वर की उपासना का समय आता है, जिसने इस पावन भूमि को केवल एक ऐतिहासिक युद्धभूमि नहीं, बल्कि धर्मभूमि का अमर गौरव प्रदान किया। जन्माष्टमी का यह पर्व हरियाणा के लिए केवल एक देवता के जन्म का उत्सव नहीं है, बल्कि यह उस महान मार्गदर्शक के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का दिन है, जिसने कुरुक्षेत्र की माटी को पूरे विश्व के लिए ज्ञान, दर्शन और निष्काम कर्म का शाश्वत केंद्र बना दिया।हरियाणा के लोक-जीवन और सांस्कृतिक जड़ों में श्रीकृष्ण की उपस्थिति को देखते हैं तो वह अत्यंत सहज और आत्मीय प्रतीत होती है।

हरियाणा की लोक-संस्कृति, साहित्य और संगीत में कृष्ण कथाओं का अत्यंत प्रामाणिक और



समुद्ध इतिहास रा गया है। प्रदेश की सबसे सशक्त लोक नाट्य शैली—सांग और रागिनी परंपरा में कृष्ण के जीवन प्रसंगों, कुरुक्षेत्र के युद्ध और गीता के उपदेश का बहुत ही मार्मिक वर्णन मिलता है। पंडित लखमीचंद, बाजे भगत और मांगे राम जैसे महान लोक-कवियों की समृद्ध वाचिक परंपरा ने अपनी रागनियों के माध्यम से श्रीकृष्ण की लीलाओं और गीता के दार्शनिक ज्ञान को जन-जन की भाषा में ढालकर ग्रामीण चौपालों तक पहुंचाया है। हरियाणा की इसी सांग-परंपरा की एक अत्यंत लोकप्रिय और ओजस्वी रागिनी में गीता के उपदेश का सार बहुत ही सीधे शब्दों में गाते हुए कहा गया है कि 'बाजे शंख नगाड़े भारी कुरुक्षेत्र के मैदान में, कृष्ण जी ने गीता गाई अर्जुन के सुध ज्ञान में।' जब ग्रामीण मंचों पर लोक-कलाकार इन रागनियों को पूरी तल्लीनता से गाते हैं तो ऐसा प्रतीत होता है मानो कृष्ण कोई दूरस्थ देवता नहीं, बल्कि हरियाणा की इसी धरती पर खड़े एक जीवंत मार्गदर्शक हों।लोक-साहित्य की वास्तविक आत्मा उसकी इसी वाचिक परंपरा में निवास करती है, जहां किसी रचना की प्रामाणिकता मुद्रित पृष्ठों से नहीं, बल्कि पीढ़ियों से चली आ रही सामूहिक श्रुति-स्मृति से सिद्ध होती है। इसी निर्बाध प्रवाह में, हरियाणा के ग्रामीण अंचलों, विशेषकर बांगर

और खादर क्षेत्रों के रतजगों में, जन्माष्टमी के अवसर पर महिलाओं द्वारा समवत स्वर में गाए जाने वाले 'जकड़ी', 'पंगट' और 'सोहर' गीत इस वाचिक परंपरा के सबसे प्रामाणिक साक्ष्य बनकर उभरते हैं। इन जकड़ियों में पौराणिक प्रामाणिकता को और अधिक पुष्ट करते हैं।हरियाणवी लोक-दर्शन की एक और बड़ी विशिष्टता ईश्वर के साथ स्थापित होने वाला 'सखा भाव' है, जो माखन चोरी और उलाहना जकड़ियों में बड़ी प्रखरता से मुखर होता है। इन उलाहना गीतों में गोपियां कृष्ण की नटखट हरकतों की शिकायत करते हुए पूरी निश्छलता से गाती हैं: *काली कमली आळा मेरा, मन हर के लेंगा री। मैं तो गई थी जमुना जल भरण नै, मेरी मटक की फोड़ के लेंगा री। सासरिये में सुगै सास मेरी, मैं तो हो गई आण-निताणी री।* इन पंक्तियों में सास के तानों का भय और 'आण-निताणी' (असहाय) होने का जो भोलापन झलकता है, वह हरियाणवी ग्रामीण परिवेश के सहज मनोविज्ञान को दर्शाता है। ये उलाहना जकड़ियां रास-गीतों के साथ-साथ जन्माष्टमी के जगणियों का अभिनंग रही हैं। इन जकड़ियों के रचयिता भले ही पूर्णतः अज्ञात हों, परंतु 'आळा', 'ल्याय', 'चालैं' जैसी ठेठ क्षेत्रीय शब्दावली ही इनकी वास्तविक कसौटी है। ये किसी आधुनिक

मंदिर दो और मूर्ति एक

झज्जर जिले के बेरी कस्बा में दो मंदिर हैं और इनमें रखी जाने वाली माता भीमेश्वरी देवी की मूर्ति एक ही है। बताते हैं कि प्रारंभ में इस जगह पर घना जंगल था। इसमें ऋषि दुर्वासा रह रहे थे। ऋषि दुर्वासा रोजाना सुबह माता भीमेश्वरी देवी की मूर्ति को बाहरी मंदिर में लाते और दोपहर बाद मूर्ति को भीतरी मंदिर में रख देते थे। मूर्ति को आंतरिक मंदिर से बाहरी मंदिर तक ले जाने की यह प्रक्रिया अभी भी धार्मिक रूप से पालन की जा रही है।

जन्माष्टमी पर हरियाणा के घरों में खीरे को काटकर उसमें से बाल कृष्ण की मूर्ति को प्रतीकात्मक रूप से जन्म दिलाने की एक अनूठी परंपरा देखने को मिलती है, जिसे लोक-विश्वास में 'नाल छेदन' का प्रतीक माना जाता है।

गीतकार की बंद कमरे में रची गई कविताएं नहीं हैं, अपितु ये हरियाणा की मिट्टी से उपजी वे ध्वनियां हैं, जिन्होंने भगवान को स्वर्ग के सिंहासन से उतारकर सीधे गांव की चौपाल और घर के आंगन का हिस्सा बना दिया है। व्रत और अनुष्ठानों की दृष्टि से देखा जाए तो, जन्माष्टमी के दिन हरियाणा के ग्रामीण और शहरी दोनों ही अंचलों में व्रत रखने की एक अत्यंत कठोर और पवित्र लोक परंपरा सदियों से चली आ रही है। श्रद्धालु दिन भर निर्जला या फलाहारी व्रत का संकल्प लेते हैं और जैसे-जैसे भादों की अंधेरी रात में मध्यरात्रि के बारह बजने का समय करीब आता है, हर घर और मंदिर में एक अलौकिक प्रतीक्षा का भाव छा जाता है। जैसे ही चांद निकलता है तो शंखों की ध्वनि और नगाड़ों की गूंज के साथ वतावरण 'नंद के आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की' के जयकारों से भर उठता है। इस जन्म के अवसर पर हरियाणा के घरों में खीरे को काटकर उसमें से बाल कृष्ण की मूर्ति को प्रतीकात्मक रूप से जन्म दिलाने की एक अनूठी परंपरा देखने को मिलती है, जिसे लोक-विश्वास में 'नाल छेदन' का प्रतीक माना जाता है। जन्म के तुरंत पश्चात बालगोपाल का पंचामृत से पवित्र अभिषेक कराया जाता है और उद्धे नंद रेशमी वस्त्र पहनाकर श्रद्धापूर्वक झुला झुलाया जाता है। चूंकि कृष्ण को गोपाल कहा जाता है और हरियाणा मूलतः पशुपालकों का प्रदेश है, इसलिए जन्माष्टमी पर यहां के खान-पान और भगवान के नैवेद्य में विशेष शुद्धता और देसी स्वाद झलकता है। ताजी मथी हुई छाछ से निकले सफेद मक्खन, मिश्री, देसी घी के चूरमे, धनिया के

पंजीरी और दूध को कढ़ाकर बनाए गए पेड़े विशेष रूप से अर्पित किए जाते हैं। इसके साथ ही, लोक-विश्वास के अंतर्गत इस दिन गोसेवा का विशेष विधान है, जहां लोग अपनी गांयों को स्वच्छ जल से नहलाकर सजाते हैं, हरा चारा खिलाते हैं और माथे पर रोली का तिलक लगाकर आरती उतारते हैं। प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में भौगोलिक और सांस्कृतिक विविधताओं के कारण इस पर्व के स्वरूप में भी थोड़ी भिन्नता दिखाई देती है। हरियाणा के दक्षिणी हिस्से, विशेषकर पलवल, होडल, फरीदाबाद और नूंह के जो क्षेत्र ब्रज भूमि से सटे हुए हैं, वहां रासलीला मंडलियों और ब्रज शैली के कीर्तनों का गहरा प्रभाव देखने को मिलता है। इसके विपरीत, चूंकि भगवान कृष्ण को एक महान मल्ल भी माना जाता है, इसलिए फरीदाबाद के धारिण जैसे कई गांवों में जन्माष्टमी के उपलक्ष्य में विशेष मेलों और कुश्ती के दंगलों का आयोजन किया जाता है। हरियाणा में कृष्ण और जन्माष्टमी की चर्चा कुरुक्षेत्र के बिना सर्वथा अधूरी है। यह केवल एक भौगोलिक स्थान मात्र नहीं है, बल्कि यह मानव के आत्मसंघर्ष की वह भूमि है, जहां मनुष्य अपने कर्तव्य और सांसारिक मोह के बीच खड़ा होता है। कुरुक्षेत्र के ज्योतिसर में उसी ऐतिहासिक अक्षय वट के नीचे जन्माष्टमी पर विशेष आध्यात्मिक अनुष्ठान आयोजित किए जाते हैं। यहां कृष्ण केवल जलशयोकी के नंदलाल नहीं रहते, बल्कि वे एक गंभीर योगेश्वर के रूप में पूजे जाते हैं। श्रीकृष्ण द्वारा दिया गया कर्म का यह संदेश हरियाणा के मेहनतकश समाज के जीवन-दर्शन से हृबहू मेल खाता है। मौसम की परवाह किए बिना खेत में पसीना बहाने वाला किसान हो या देश की सीमाओं पर डटा हरियाणा का जवान, निष्काम कर्म की जो भावना गीता में बताई गई है, वह हरियाणवी जनमानस के स्वभाव में प्राकृतिक रूप से रची-बसी है। जब किसी गांव की चौपाल से कृष्ण की रागनी की कोई पुरानी तान सुनाई देती है या जब कोई महिला अपने घर के आंगन में कान्हा की छठी के गीत गाती है तो ऐसा प्रतीत होता है कि हजारों वर्ष पुरानी वह अलौकिक कथा आज भी हरियाणा की मिट्टी में सांस ले रही है। हरियाणा में श्रीकृष्ण केवल भगवान नहीं हैं, वे इस प्रदेश की आत्मा में रचे-बसे एक शाश्वत मार्गदर्शक हैं।

ग़ज़ल	कर्मचंद केसर	
कुछ ना सै		
गन्दा - मन्दा फूहड़ गाणा कुछ ना सै। लय सुर ताल बिना मुँह बाणा कुछ ना सै।		
मतलब खातर हाथ मित्याणा कुछ ना सै। अपणी बोर - बड़याई गाणा कुछ ना सै।		
रिश्तेदारी हो सै प्यारी बरतण की, बात-बात पै खुँड बजाणा कुछ ना सै।		
सुलफा गाँऊआ मॉंग धतूरा फीम बुरी, दारु का बी पीणा-प्याणा कुछ ना सै।		
बटळी करले चै कितनी धन-माया तौ, उरियो रहजु गेल्लै जाणा कुछ ना सै।		
बाँगगे-बोलेटे च्यार डोंकटे लिखकै बस, अखबारों में नाम छपाणा कुछ ना सै।		
फास्ट फूड अर् लटरम-पटरम खावै लोग, होटल का बी ताजा खाणा कुछ ना सै।		
चाल-चलन में खोट मगन मोह माया मै, सिर टोप्पी चै भगवॉ बाणा कुछ ना सै।		
जूत लगेँ और मिलें मिट्ठ्याई खावण नैं, केसर इसी जगॉ पै जाणा कुछ ना सै।		

ग़ज़ल	रामफल गौड	
मान मरे सै		
जिस माणस का मान मरे सै। जिन्दा ओ इनसान मरे सै।		
बेदोस्सी नै सजा मिलै तो, न्यूँ समझो संविधान मरे सै।		
मात पिता हों मरे बराब्बर, जिनका पूत जवान मरे सै।		
खड़जंग माट्ठे सै जिस घर म्हं, बच्चों की मुस्कान मरे सै।		
ओ जिन्दा बी मरे बराब्बर, जिसका दीन ईमान मरे सै।		
खेत रोवते बिलख बिलख जिब, तंगवी भोग किसान मरे सै।		
जात धरम पै कतल हुवै जिब, मणसपणे कां ग्यान मरे सै।		
खतम हुवै सै वा संसकिरती, जिसकी मूल जबांन मरे सै।		
मोत मणस की इब न्यूँ रामफल, सरइड पै ज्यूँ स्वान मरे सै।		

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

बालपन

आनंद को खोजने के लिए दूर जाने की जरूरत नहीं, वह हमारे अतीत की किसी 'खोही' में भी छिपा हो सकता है

याद आता है बचपन की 'खोही' और बारिश में भीगा हुआ आनंद

लोकजीवन

रवि यादव

भले ही आज जमाना बहुत बदल गया है, सुविधाएं बढ़ गई हैं और जीवन की रफ्तार पहले से कहीं तेज हो गई है, लेकिन बचपन की कुछ यादें ऐसी होती हैं, जो समय के साथ धुंधली नहीं पड़ती। वे अचानक किसी दृश्य, किसी वस्तु, किसी खुशबू या बारिश की किसी बूंद के साथ फिर से हमारे सामने आ खड़ी होती हैं। ऐसी ही एक याद है - हमारे बचपन की 'खोही' या 'खोली'। आज की पीढ़ी शायद इस शब्द से परिचित न हो, लेकिन हमारे जैसे लोगों के लिए 'खोही' केवल सुनली से बनी बोरी नहीं थी और न ही प्लास्टिक से बना खाद का कट्टा था। वह खोही हमारे बचपन का हिस्सा थी, हमारी शराबतों की साथी थी और कभी-कभी तो हमारे लिए छतरी का काम भी करती थी। मुझे आज भी याद है कि हमारे स्कूलों में उस समय टाट-पट्टी पर्याप्त संख्या में नहीं हुआ करती थी। इसलिए हम घर से सुनली से बनी बोरी या प्लास्टिक का कट्टा लेकर स्कूल जाया करते थे। स्कूल पहुंचते ही सबसे पहला काम होता था अपनी परांद की जगह तयशाना। जैसे ही जगह मिलती, हम अपनी बोरी वहां बिछा देते और उस पर अपना बस्ता रख देते थे। धीरे-धीरे वह जगह हमारे लिए किसी छोटे से 'प्लाट' की तरह हो जाती थी। मन में एक अदृश्य बोर्ड टंगा होता था - "यह मेरी जगह है, यहां कोई नहीं बैठेगा।" अगर कोई

दूसरा बच्चा हमारी जगह पर बैठ जाता तो मामला लगभग जमीन के विवाद जैसा ही जाता था। दोस्तों अपनी जगह थी, लेकिन अपनी बोरी और अपनी जगह की हिफाजत उससे भी बड़ी जिम्मेदारी हुआ करती थी। उस समय हमारे पास आज जैसी सुविधाएं नहीं थीं,

लेकिन खुशियां बहुत थीं। साधन सीमित थे, मगर कल्पनाएं असीमित थीं। एक साधारण बोरी भी कभी बैठने की चटाई बन जाती थी, कभी सामान रखने की जगह और बारिश आ जाए तो वही बोरी खोही के रूप में हमारे सिर का ताज बन जाती थी। हमारे अहीरवाल क्षेत्र में इसे 'खोही' कहा जाता था। अलग-अलग क्षेत्रों में इसके अलग-अलग नाम रहे होंगे। यही तो हमारे देश की खूबसूरती है कि एक ही वस्तु अलग-अलग इलाकों में अलग नाम और अलग स्मृतियों के साथ जीवित रहती है। किसी के लिए यह बोरी होगी, किसी के लिए कट्टा, किसी के लिए कोई और स्थानीय नाम - लेकिन इन्हसे जुड़ी बचपन की भावनाएं शायद लगभग एक जैसी ही होंगी। आज जब मैं पीछे मुड़कर देखता हूँ तो लगता है कि उस दौर में हमारे पास चीजें कम थीं, लेकिन उन्हें आनंद में बदलने की कला खूब थी। एक छोटी-सी चीज में खेल ढूँढ लेना, बारिश में भीगना, मिट्टी में पैर सानना, दोस्तों के साथ हँसना और मामूली-सी चीज को भी खास बना देना, शायद यही बचपन था।

आज का दिन भी मेरे लिए कुछ ऐसा ही रहा। बारिश हो रही थी। छतरी घर में रखी थी और मैं उसे लेकर निकल सकता था, लेकिन मन में कहा कि आज बारिश को महसूस किया जाए। आज सुविधाओं से ज्यादा आनंद चाहिए था। और जब आनंद की बात आती है तो बचपन अपने आप सामने आ जाता है। नजर पड़ी एक चूरी के कट्टे पर। अचानक बचपन की वही 'खोही' याद आ गई। मैंने उसी अंदाज में उसे तैयार किया, जैसे बचपन में खोही सिर पर रखकर बारिश से बचा करते थे। कुछ ही क्षणों में वह कट्टा मेरे सिर पर था और मैं बारिश के बीच चल रहा था। उस पल लगने जैसे उस ने कुछ देर के लिए पीछे लौटने का रास्ता खोल दिया था। चेहरे पर बारिश की बूंदें थीं, लेकिन मन में बचपन की हंसी थी। आसपास आधुनिक दुनिया थी, लेकिन भीतर वही पुराना स्कूल, वही बोरी, वही अपनी जगह और वही दोस्तों की आवाजें थीं। कभी-कभी जिंदगी में आनंद पाने के लिए बड़ी चीजों की जरूरत नहीं होती।

एक साधारण बोरी भी कभी बैठने की चटाई बन जाती थी, कभी सामान रखने की जगह और बारिश आ जाए तो वही बोरी खोही के रूप में हमारे सिर का ताज बन जाती थी।

महंशे साधन, बड़े पर्यटन स्थल या शानदार व्यवस्थाएं ही खुशी का कारण नहीं हैं। आनंद तो हमारे आसपास बिखरा पड़ा है, बस उसे देखने वाली नजर चाहिए। एक पुरानी बोरी हमें बचपन में पहुंचा सकती है, बारिश की कुछ बूंदें पुरानी गलियों का यही दिला सकती हैं और कोई भूली-बिसरी वस्तु हमें उन लोगों तक ले जा सकती है, जिनके साथ हमने जीवन के सबसे सुंदर दिन बिताए थे। आज की भागती-दौड़ती जिंदगी में शायद हमें फिर से उसी बच्चे की जरूरत है, जो छोटी-सी चीज में बड़ी खुशी खोज लेता था। इसलिए अपनी पुरानी यादों को केवल याद मत कीजिए, कभी-कभी उन्हें जी भी लीजिए। बारिश हो तो भीगिए, मिट्टी की खुशबू महसूस कीजिए, बचपन की कोई वस्तु हाथ में उठाइए और अपने भीतर छिपे उस बच्चे से मिलिए, जो आज भी कहीं न कहीं आपका इंतजार कर रहा है। आनंद को खोजने के लिए दूर जाने की जरूरत नहीं है। वह हमारे अतीत की किसी 'खोही' में भी छिपा हो सकता है। बस जरूरत है, उसे पहचानने की। आनंद ढूँढते रहिए और आनंदित रहिए।

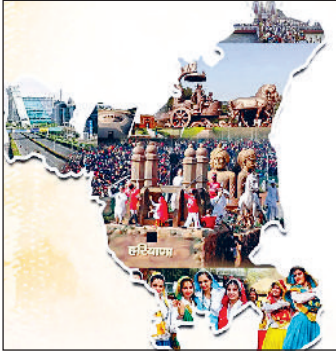
हरियाणवी का संस्कृत और वैदिक साहित्य से गहरा नाता



कलाकार

अंकुर शर्मा

हरियाणा केवल भारत के राजनीतिक और सांस्कृतिक इतिहास का ही नहीं, बल्कि उसकी प्राचीन भाषिक परंपरा का भी एक अत्यंत महत्वपूर्ण केंद्र रहा है। सरस्वती और दृषद्वती नदियों के मध्य स्थित यह क्षेत्र वैदिक सभ्यता की प्रमुख कर्मभूमि माना जाता है। अनेक विद्वानों का मत है कि ऋग्वेद सहित वैदिक साहित्य के अनेक मंत्रों की रचना इसी सांस्कृतिक परिवेश में हुई। यही कारण है कि हरियाणा की लोकभाषा और उसकी विभिन्न बोलियों में आज भी प्राचीन भारतीय भाषिक परंपरा की स्पष्ट झलक दिखाई देती है। बांगरू, अहीरवाटी, बागड़ी, कौरवी तथा मेवाती जैसी बोलियाँ केवल ग्रामीण संप्रेषण का माध्यम नहीं हैं, बल्कि भारतीय भाषाओं के विकासक्रम की जीवंत कड़ियाँ भी हैं। भाषावैज्ञानिकों के अनुसार हरियाणवी बोलियाँ मुख्यतः शीरसेनी अपभ्रंश से विकसित पश्चिमी हिंदी समूह की सदस्य हैं। यह वही भाषिक क्षेत्र है जिसने आगे चलकर खड़ी बोली, बज्ज, कन्नौजी तथा हरियाणवी जैसी बोलियों को जन्म दिया। इसलिए हरियाणवी और संस्कृत का संबंध प्रत्यक्ष न होकर एक दीर्घ भाषिक परंपरा के माध्यम से स्थापित होता है। इस दृष्टि से हरियाणवी में संस्कृत की अनेक ध्वनियाँ, शब्द, व्याकरणिक संरचनाएं तथा सांस्कृतिक



अभिव्यक्तियाँ आज भी सुरक्षित दिखाई देती हैं। ध्वन्यात्मक स्तर पर हरियाणवी अनेक प्राचीन विशेषताओं को संरक्षित किए हुए है। उदाहरण के लिए संस्कृत के मूह्र्ध्व 'ण' का प्रयोग हरियाणवी में आज भी व्यापक रूप से मिलता है। जहाँ मानक हिंदी में अनेक स्थानों पर 'ण' के स्थान पर 'न' का प्रयोग होने लगा है, वहीं हरियाणवी में पाणी, माणस, घणा, बाणी जैसे शब्द सहज रूप से बोले जाते हैं। यह विशेषता प्राचीन संस्कृत तथा शीरसेनी परंपरा की स्मृति को जीवित रखती है। इसी प्रकार कुछ स्थानों पर संयुक्त व्यंजनों के उच्चारण और ध्वनि-संरचना में भी प्राचीन भाषिक प्रवृत्तियों का प्रभाव दिखाई देता है। शब्द-संपदा की दृष्टि से भी हरियाणवी अत्यंत समृद्ध है। ग्रामीण जीवन में आज भी अनेक ऐसे शब्द प्रचलित हैं जिनकी जड़ें संस्कृत में मिलती हैं। उदाहरणस्वरूप 'गोधूम' से 'गेहूँ', 'क्षेत्र' से 'खेत', 'दुग्ध' से 'दूध', 'धृत्' से 'धी',

'क्ष्मा' से 'भाई', 'पितृ' से 'पितर' तथा 'मातृ' से 'माता' जैसे शब्द भाषिक निरंतरता के सशक्त उदाहरण हैं। इन शब्दों का उच्चारण समय के साथ सरल अवश्य हुआ है, किंतु उनका मूल संस्कृत से जुड़ा हुआ है। यह परिवर्तन भाषा की स्वाभाविक विकास प्रक्रिया का परिणाम है, न कि उसके मूल स्वरूप के लोप का। व्याकरणिक स्तर पर भी हरियाणवी में अनेक ऐसी विशेषताएँ मिलती हैं जो उसे प्राचीन भारतीय भाषिक परंपरा से जोड़ती हैं। अनेक क्रियाएँ और धातु-आधारित शब्द संस्कृत से विकसित रूपों में आज भी प्रयुक्त होते हैं। उदाहरण के लिए 'करना' का संबंध संस्कृत की 'कृ' धातु तथा 'जाना' का संबंध 'गम्' धातु से माना जाता है। यद्यपि इनका वर्तमान रूप प्राकृत और अपभ्रंश के विभिन्न चरणों से होकर विकसित हुआ है, फिर भी इनके मूल स्रोत संस्कृत में निहित हैं। यही भाषिक निरंतरता हरियाणवी की ऐतिहासिक महत्ता को रेखांकित करती है। हरियाणा की विभिन्न बोलियों में संस्कृत के प्रभाव का स्वरूप भी अलग-अलग दिखाई देता है। मध्य हरियाणा की बांगरू बोली अपेक्षाकृत संतुलित और व्यापक रूप से प्रचलित है। दक्षिण हरियाणा की अहीरवाटी में राजस्थानी प्रभाव के साथ संस्कृत मूल के अनेक शब्द सुरक्षित हैं। उत्तर-पूर्वी क्षेत्र की कौरवी बोली में संयुक्त व्यंजनों के उच्चारण तथा ध्वनि-बल की विशेष प्रवृत्तियाँ देखने को मिलती हैं। इसी प्रकार पश्चिमी हरियाणा की बागड़ी और दक्षिणी क्षेत्र की मेवाती में भी स्थानीय प्रभावों के साथ संस्कृत-प्राकृत परंपरा की अनेक विशेषताएँ विद्यमान हैं।

कभी सरस्वती के तट पर गूंजने वाली वैदिक वाणी की प्रतिध्वनि आज भी हरियाणा के खेतों, चौपालों, लोकगीतों और रागनियों में अनुभव की जा सकती है।

इससे स्पष्ट होता है कि हरियाणा की प्रत्येक बोली भारतीय आर्य भाषाओं के विकासक्रम का अपना विशिष्ट स्वरूप प्रस्तुत करती है। हरियाणवी का संस्कृत से संबंध केवल भाषा तक सीमित नहीं है, बल्कि सांस्कृतिक और दार्शनिक स्तर पर भी अत्यंत गहरा है। वेदों और उपनिषदों में वर्णित प्रकृति के प्रति सम्मान, श्रम की महिमा, सत्य, कर्तव्य, पारिवारिक मर्यादा तथा लोककल्याण की भावना हरियाणा के लोकजीवन में आज भी स्पष्ट दिखाई देती है।लोकगीतों, रागनियों, सांग साहित्य, कहावतों और मुहावरों में इन जीवन मूल्यों की सहज अभिव्यक्ति मिलती है। अनेक लोककथाएँ और लोकविश्वास भारतीय दार्शनिक परंपरा की स्मृतियों को सरल लोकभाषा में संजोए हुए हैं। हरियाणा के सांग साहित्य और लोककवियों की रचनाओं में कर्म, धर्म, लोकमंत्र और ईश्वर के प्रति सम्पूर्ण जैसी भाव-बार-बार व्यक्त होते हैं। ये वही मूल्य हैं जिनका उल्लेख वैदिक तथा उत्तरवैदिक साहित्य में मिलता है। ग्रामीण समाज में प्रचलित अनेक लोकोक्तियाँ अनुभवजन्य ज्ञान का

ऐसा रूप प्रस्तुत करती हैं, जिनमें भारतीय दार्शनिक चिंतन की प्रतिध्वनि सुनाई देती है। इस प्रकार हरियाणवी लोकसंस्कृति प्राचीन भारतीय ज्ञानपरंपरा की सशक्त वाहक सिद्ध होती है। यह भी ध्यान रखना आवश्यक है कि भाषाओं का विकास निरंतर परिवर्तन की प्रक्रिया है। इसलिए हरियाणवी को संस्कृत की प्रत्यक्ष उत्तराधिकारी कहना भाषावैज्ञानिक दृष्टि से पूर्णतः उचित नहीं होगा। अधिक सटीक यह कहना होगा कि हरियाणवी भारतीय आर्य भाषाओं की उस दीर्घ विकास-शृंखला की एक महत्वपूर्ण कड़ी है, जिसकी प्रारंभिक आधारभूमि वैदिक संस्कृत रही है। इसीलिए हरियाणवी में संस्कृत के अनेक ध्वन्यात्मक, शब्दगत, व्याकरणिक तथा सांस्कृतिक तत्त्व आज भी सुरक्षित दिखाई देते हैं। निरसंदेह हरियाणा की क्षेत्रीय बोलियां अपने भीतर एक गौरवशाली भाषिक और सांस्कृतिक इतिहास समेटे हुए हैं। उनका शब्द-भंडार, उच्चारण, व्याकरण तथा लोकसाहित्य भारतीय भाषाओं की प्राचीन परंपरा से उनके गहरे संबंध का प्रमाण प्रस्तुत करते हैं। कभी सरस्वती के तट पर गूंजने वाली वैदिक वाणी की प्रतिध्वनि आज भी हरियाणा के खेतों, चौपालों, लोकगीतों और रागनियों में अनुभव की जा सकती है। यही कारण है कि हरियाणवी बोलियों को केवल क्षेत्रीय बोली मानकर सीमित कर देना उनके ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्त्व का उचित मूल्यांकन नहीं होगा। वे भारतीय भाषिक विरासत की अमूल्य धरोहर हैं और हमारी सांस्कृतिक अस्मिता की सशक्त संरक्षक भी।

समा में किसान-मजदूरों, नौजवानों व प्रबुद्ध नागरिकों ने भाग लिया अमेरिका-भारत ट्रेड डील किसानों की तबाही का फरमान : रोहतास

समझौते के बाद कृषि और सभी खाद्य पदार्थों पर कारपोरेट कम्पनियों का कब्जा हो जाएगा
हरिभूमि न्यूज ►► तोशाम

26 अक्टूबर को रोहताक में होने वाली पंचायत का न्योता दिया

ऑल इंडिया किसान खेत मजदूर संगठन की ओर से गांव दुल्हेड़ी स्थित ना म दे व धर्मशाला में रविवार को एक जनसभा का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता द्वारका प्रसाद ने की तथा मंच सचालन एडवोकेट बस्ती राम ने किया। सभा में गांव के अनेक किसान-मजदूरों, नौजवानों व प्रबुद्ध नागरिकों ने भाग लिया तथा बड़ी उत्सुकता से वक्ताओं को सुना और मांगों का समर्थन किया।

इस दौरान ऑल इंडिया किसान खेत मजदूर संगठन के नेताओं ने अमेरिका-भारत ट्रेड डील को किसानों की तबाही का फरमान करार देते हुए इसके विरोध में जोरदार आंदोलन गठित करने का आह्वान किया। ऑल इंडिया किसान खेत मजदूर संगठन के जिला प्रधान कामरेड रोहतास सिंह सेनी ने कहा कि जन जीवन के च्चलंत मुद्दों बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी रोकने,



तोशाम। आयोजित जनसभा में उपस्थित किसान।

फोटो : हरिभूमि

किसान-मजदूरों की आर्थिक हालत बद से बदतर

एआईयूटीयूसी के राज्य उपप्रधान रामफल ने कहा कि भाजपा सरकार लगातार किसान-मजदूर विरोधी नीतियां लाकर पूंजीपतियों व बड़ी-बड़ी कम्पनियों को मालामाल कर रही है, जिसके चलते किसान-मजदूरों की आर्थिक हालत बद से बदतर होती जा रही है। किसान कर्ज के जाल में फंसकर आत्महत्या करने पर मजबूर हो रहा है। पढ़े-लिखे युवाओं को भी रोजगार नहीं है। खेती में काम आने वाले खाद, बीज, कीटनाशक व खेती के औजारों के दाम आसमान छू रहे हैं। किसान की फसल के बाजिब दाम नहीं मिलते। प्राकृतिक आपदा होने पर फसल खराबे का मुआवजा तक नहीं मिलता। फसल बीमा योजना से बीमा कम्पनियां मालामाल हो रही हैं। ज्यादातर किसानों के पास फसल का बीमा करवाने के लिए समय पर पैसा नहीं होता। जैसे-तैसे बीमा करवा भी दिया, तो फसल खराबे के बीमा के लिए चक्कर काटो, कोई सुनवाई नहीं होती है।

मनरेगा स्कीम बहाल करने, किसानों को उनकी फसल लागत से डेढ़ गुना लाभकारी मूल्य देने, किसान-मजदूरों को कर्ज मुक्त करने, किसान विरोधी अमेरिका भारत डील रद्द करने, बिजली का निजीकरण व स्मार्ट मीटर लगाने बंद करने, पेट्रोल, डीजल, रसोई गैस, सीएनजी व खाद, बीज के बढ़ाए गए रेट वापस लेने आदि

मांगों के लिए आवाज बुलंद करने के लिए आगमी 26 अक्टूबर को नांदल भवन, बोहर, रोहताक में राव्य स्तरीय किसान, मजदूर, छात्र, युवा महिला महापंचायत में चलने का निमंत्रण दिया। उन्होंने कहा कि भारत अमेरिका समझौते से भारत के किसान का कृषि क्षेत्र पूरी तरह से बर्बाद हो जाएगा। कृषि और सभी खाद्य पदार्थों पर कारपोरेट

कम्पनियों का कब्जा हो जायेगा, जिसके चलते किसान मजदूरों की आजीविका खतरे में पड़ जाएगी। सभा को संबोधित करते हुए किसान-मजदूर नेता वजीर सिंह और प्यारेलाल ने कहा कि महंगाई के कारण गरीबों का जीना मुश्किल हो रहा है। चीनी, प्याज सहित सभी जरूरी चीजें, शिक्षा, इलाज महंगा है। सरकार सभी सरकारी महकमों

प्राकृतिक आपदा होने पर फसल खराबे का मुआवजा तक नहीं मिलता

ये रहे मौजूद

सभा में रामेश्वर, रतनलाल, दीवान सिंह, सतबीर सिंह, पवन कुमार, भीम सिंह, फूलचंद, गणपत, सुरेश, लखनचंद, रमेश कुमार, बलवान सिंह, राजाराम आदि अनेक किसान-मजदूर मौजूद थे।

का निजीकरण कर रही। मनरेगा स्कीम को संकुचित कर दिया है। मजदूरों को पूरे साल काम नहीं मिलता है। भवन निर्माण योजना सरकारी भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गई है। वक्ताओं ने कहा कि सरकार की इन जनविरोधी नीतियों और कदमों के खिलाफ किसान-मजदूरों को संगठित होकर आन्दोलन करना होगा।

संत कृपाल सिंह की बरसी पर स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित

मिवानी। विश्व मानव रूहानी केन्द्र एक आध्यात्मिक संस्था है। यह संस्था संत बलजीत सिंह द्वारा सिखाए गए नैतिक जीवन, आध्यात्मिक और ध्यानाभ्यास पर आधारित कार्यक्रमों और जनकल्याण के लिए विभिन्न प्रकार के समाजसेवी कार्यों का आयोजन करती है। कोविड-19 महामारी के दौरान भी संस्था द्वारा विभिन्न राज्यों में पूरी ऊर्जा और जोश के साथ वैैरिटी कार्य किए। इसी संदर्भ में विश्व मानव रूहानी केन्द्र शाखा मिवानी द्वारा संत कृपाल सिंह की बरसी के अवसर पर निःशुल्क चिकित्सा शिविर लगाया गया। यह जानकारी देते हुए संस्था के राज्य निगरानी कमिटी सदस्य रोहताश कुमार, उलफत सिंह ने संयुक्त रूप से बताया कि शिविर में डा. मोनू व उनकी टीम ने 32 मरीजों के स्वास्थ्य की जांच की और उन्हें निःशुल्क दवाइयां भी वितरित की गईं। शिविर के सफल आयोजन में रोहताश, बहादुर सिंह, आनन्द प्रकाश, कमला देवी ने अपनी सेवाएं दीं।

अतर सिंह बने सतगामा कन्नी के प्रधान

हरिभूमि न्यूज ►► बहल

गोपालवास गांव के अतर सिंह को सतगामा कन्नी का नया प्रधान चुना गया है। रविवार को सिधनवा गांव के बाबा सिद्धनाथ धाम में हुई पंचायत में सतगामा कन्नी प्रधान के चुनाव के लिए गठित कमिटी ने अपना निर्णय सुनाते हुए यह जानकारी दी। इसके अलावा कमिटी ने सतगामा कन्नी की पांच सदस्यीय कार्यकारिणी की घोषणा की। प्रधान व कार्यकारिणी चुनाव की जानकारी कमिटी प्रधान सुरेश कुमार ने

पंचायत में दी। कन्नी की नवगठित पांच सदस्यीय कमिटी में मुकेश पुत्र हवासिंह नंबरदार कासनी कलां को उपप्रधान, रणबीर डाटक मंडोली कलां को महासचिव, ओमप्रकाश गोकलपुरा को सचिव, सुरतसिंह हरियावास को प्रवक्ता व सुरेश पूर्व सरपंच सिधनवा को सदस्य नियुक्त किया गया। गौरतलब है कि सतगामा कन्नी का प्रधान चुनने के

लिए 23 अगस्त को सिधनवा गांव के बाबा सिद्धनाथ धाम पर सतगामा खाप के लोगों की पंचायत हुई थी। इसमें सतगामा खाप से जुड़े (मंडोली कलां, गोपालवास, सिधनवा, हरियावास, कासनी कलां, कासनी खुर्द व गोकलपुरा) के लोग शामिल हुए थे। पंचायत में यह फैसला हुआ था कि सतगामा कन्नी प्रधान का पद अपने आप में एक महत्वपूर्ण पद है और इसके लिए गहन मंथन होना



सतगामा कन्नी प्रधान का पद अपने आप में एक महत्वपूर्ण पद है और इसके लिए गहन मंथन होना



मिवानी। रक्तदाताओं को बैज लगाकर सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

30 रक्तदानियों ने महादान कर मिसाल पेश की। शिविर का शुभारंभ बालयोगी महंत चरणदास, महंत भोलानाथ एवं सांसद धर्मबीर सिंह के पुत्र मोहित चौधरी ने रिबन

काटकर किया। अतिथियों के आगमन पर समिति के प्रधान अधिवक्ता सुनील शर्मा ने महंत चरणदास व महंत भोलानाथ को शॉल ओढ़ाकर एवं प्रतीक चिह्न

विस में सवालों का जवाब देने से

बच रहे मुख्यमंत्री : चौटाला

हरिभूमि न्यूज ►► मिवानी

पूर्व उपप्रधानमंत्री जननायक स्व. चौ. देवीलाल की 113वीं जयंती के उपलक्ष्य में 27 सितंबर को नूंह में राज्य स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इसी कड़ी में तैयारियों की समीक्षा और कार्यकर्ताओं को आवश्यक दिशा-निर्देश देने के लिए रविवार को स्थानीय जाट धर्मशाला में इनेलो की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक को संबोधित करने इनेलो सुप्रिमी अभय सिंह चौटाला पहुंचे तथा कार्यकर्ताओं को संबोधित करने उपरांत राज्य स्तरीय समारोह का निमंत्रण भी दिया। रविवार को हुई बैठक में इनेलो सुप्रिमी चौ. अभय सिंह चौटाला के साथ प्रदेश अध्यक्ष रामपाल माजरा और इनेलो पार्लियामेंटी बोर्ड के

चेयरमैन पूर्व मंत्री डॉ. वासुदेव शर्मा पहुंचे। अभय चौटाला ने बताया कि वे और प्रदेश अध्यक्ष 9 तारीख से लगातार 50 से अधिक विधानसभा क्षेत्रों का दौरा कर चुके हैं। अभय चौटाला ने भाजपा सरकार को जमकर आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार आम जनता के हितों को दांव पर रखकर पूंजीपतियों को फायदा पहुंचाने का काम कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि भ्रष्टाचार करने इनेलो सुप्रिमी अभय सिंह चौटाला पहुंचे तथा कार्यकर्ताओं को संबोधित करने उपरांत राज्य स्तरीय समारोह का निमंत्रण भी दिया। रविवार को हुई बैठक में इनेलो सुप्रिमी चौ. अभय सिंह चौटाला के साथ प्रदेश अध्यक्ष रामपाल माजरा और इनेलो पार्लियामेंटी बोर्ड के



मिवानी। आयोजित कार्यक्रम में मंचासीन नेता।

फोटो : हरिभूमि

विशेष कार्यक्रम

दिव्यांग महिलाओं एवं बच्चों के साथ मनाया त्योहार

श्री कृष्ण कृपा जियो गीता परिवार ने राशन व मिठाई बांटकर मनाया रक्षाबंधन

हरिभूमि न्यूज ►► मिवानी

बहनों ने संस्था के सदस्यों की कलाइयों पर बांधी राखी

रक्षाबंधन का पर्व केवल एक धागा बांधने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह समाज के हर वर्ग के प्रति प्रेम, सम्मान और सुरक्षा के भाव को जगाने का अवसर है। इसी भावना को चरितार्थ करते हुए 28 अगस्त को श्री कृष्ण कृपा जियो गीता परिवार के सदस्यों द्वारा एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर संस्था के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने दिव्यांग महिलाओं एवं बच्चों के साथ रक्षाबंधन का त्योहार बड़े ही उत्साह और आत्मीयता से मनाया। कार्यक्रम के दौरान संस्था के सदस्यों ने दिव्यांग महिलाओं और बच्चों को राशन सामग्री एवं मिठाइयां वितरित कीं। बहनों ने संस्था के सदस्यों की कलाई



मिवानी। दिव्यांग बच्चों से राखियां बंधवाते हुए।

पर रक्षासूत्र बांधकर उनके दीर्घायु और सुखद जीवन को कामना की, वहीं सदस्यों ने भी जीवनभर उनकी सहायता और सम्मान का वचन दिया। इस भावुक और प्रेरणादायक क्षण में श्री कृष्ण कृपा जियो गीता परिवार से आत्म प्रकाश टुटेजा, नरेश आहूजा,

हमारा संकल्प कि हम सुख-दुख में इन बहनों व बच्चों के साथ खड़े रहेंगे

श्री कृष्ण कृपा जियो गीता परिवार के सदस्यों ने संयुक्त ब्यान में कहा कि रक्षाबंधन का सच्चा अर्थ समाज के हर चेहरे पर मुस्कान लाना और जरूरतमंदों का सहारा बनना है। हमारी दिव्यांग बहनें और बच्चे समाज का एक अमिष्ण हिस्सा हैं। जब इन बहनों ने हमारी कलाई पर रक्षासूत्र बांधा, तो हमें केवल एक त्योहार मगाने का अहसास नहीं हुआ, बल्कि एक गहरी सामाजिक जिम्मेदारी का बोध भी हुआ। श्री कृष्ण कृपा जियो गीता परिवार का हमेशा से यही प्रयास रहा है कि हम स्वामी ज्ञानानंद महाराज की प्रेरणा से सेवाकार्यों को निरंतर आगे बढ़ाएं। आज राशन और मिठाई वितरण के माध्यम से हमने खुशियां बांटने का छोटा सा प्रयास किया है, और हमारा यह संकल्प रहेगा कि हम हर सुख-दुख में इन बहनों और बच्चों के साथ खड़े रहें।

बिजेश कुमार जावला, दर्शन मीठू, विनोद कुमार छाबड़ा तथा श्याम सहित अनेक गणमान्य सदस्यों ने राखी बंधवाई। इस दौरान उपस्थित सभी दिव्यांग महिलाओं और बच्चों के चेहरे पर खुशी और संतोष की चमक साफ दिखाई दे रही थी। संस्था के इस



सीएम के आगमन से पहले कार्यक्रम स्थल की सफाई में जुटा प्रशासन

फिर भी फैल रही गंदगी

हरिभूमि न्यूज ►► बवानीखेड़ा

6 सितंबर को मुख्यमंत्री की प्रस्तावित रैली को लेकर चल रही तैयारियां

बवानीखेड़ा में 6 सितंबर को मुख्यमंत्री नायब सिंह सेनी के प्र स्त। वि त आगमन को लेकर प्रशासन तैयारियों में जुटा हुआ है। सामान्य बस स्टैंड

के सामने तथा वीके फोटो स्टेट कार्यालय के पीछे टेक्सी स्टैंड स्थित खाली मैदान में कार्यक्रम की तैयारियां की जा रही हैं। प्रशासन की ओर से मैदान और आसपास के क्षेत्र में सफाई अभियान चलाया जा रहा

है, लेकिन कुछ लोगों की लापरवाही के कारण यहां दोबारा गंदगी फैल रही है। स्थानीय दुकानदारों और आमजन का कहना है कि प्रशासन द्वारा सफाई कर मैदान को कार्यक्रम के लिए तैयार किया जा रहा है, लेकिन कुछ लोग खाली मैदान में कूड़ा-कचरा डालकर व्यवस्था बिगाड़ रहे हैं। इसके चलते कार्यक्रम स्थल गंदगी से घिरा नजर आ रहा है। लोगों का कहना है कि मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर जहां पूरे क्षेत्र को व्यवस्थित और साफ-सुथरा किया जा रहा है, वहीं कुछ लोगों की मनमानी के कारण प्रशासन की मेहनत पर पानी फिर रहा है। दुकानदारों ने बताया कि मैदान के

कांग्रेस नेता ने प्रदेश प्रभारी से की मुलाकात

बहल। कांग्रेस नेता देवेंद्र श्योराण ने नई दिल्ली स्थित इंदिरा मवन में कांग्रेस के प्रदेश प्रमारी संजय दत्त से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने संगठन से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की और कांग्रेस पार्टी को जमीनी स्तर पर और अधिक मजबूत करने को लेकर अपने विचार एवं सुझाव उनके समक्ष रखे। देवेंद्र श्योराण ने कहा कि पार्टी संगठन को मजबूत करने के लिए कार्यकर्ताओं को साथ लेकर चलना, बुध स्तर तक संगठन को सक्रिय करना और मेहनती एवं समर्पित कार्यकर्ताओं को उचित जिम्मेदारी देना जरूरी है। उन्होंने क्षेत्र के कार्यकर्ताओं की समस्याओं और राजनीतिक परिस्थितियों से भी प्रदेश प्रमारी को अवगत करवाया। मुलाकात के दौरान आगामी समय में कांग्रेस संगठन को मजबूत करने, कार्यकर्ताओं के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने तथा पार्टी की विचारधारा को गांव-गांव तक पहुंचाने को लेकर भी विचार-विमर्श हुआ।



विभिन्न जनसंगठनों ने पूर्व कर्मचारी नेता धर्मदेवी को दी श्रद्धांजलि

मिवानी। अखिल भारतीय किसान सभा के जिला पदाधिकारियों एवं विभिन्न जनसंगठनों के सदस्यों ने पूर्व अत्यापक एवं कर्मचारी नेता दिवंगत धर्मदेवी के निधन पर शोक जताया और श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने शोक संतप्त परिवार को सांत्वना दी। इस अवसर पर किसान सभा के जिला प्रधान रामफल देशवाल, उपप्रधान कामरेड ओमप्रकाश व जिला सचिव मास्टर जगदीश ने कहा कि दिवंगत कर्मचारी नेता धर्मदेवी के पति स्वर्गीय चौधरी जगन्नाथ हरियाणा मज्जीमंडल में अनेक बार विधायक एवं मंत्री रहे हैं, लेकिन उनकी सरकारों के दौरान कर्मचारियों के जो भी आन्दोलन हुए थे, धर्मदेवी मन्त्री की पत्नी होते हुए भी कर्मचारियों के सभी आन्दोलनों में सबसे आगे रही और संगठन की पदाधिकारी भी रही। धर्मदेवी का अपना एक स्वतन्त्र व्यक्तित्व रहा और सेवानिवृत्त होने के बाद भी वे जनआंदोलनों में पूरी रूचि रखती थी और आर्थिक सहयोग भी करती रही। किसान नेताओं ने कहा कि धर्मदेवी के निधन से जनआंदोलन को भारी क्षति हुई है, वे एक मिलनसार, मुदुभाषी, संघर्षशील महिला थी और स्वर्गीय चौधरी जगन्नाथ राजनीतिक संघर्षों में व्यस्त रहे तथा 1975 में 19 महीने जेल में रहे तो उनकी पत्नी धर्मदेवी ने ही बच्चों एवं परिवार की जिम्मेदारी को निभाया।

ये रहे मौजूद

विजय पाल सिंह चौहान, जिला समन्वयक राजवीर शर्मा, जिला सह समन्वयक अनिल तावाल, पीपी महता, निर्मला शर्मा, सुरेश कुमार शर्मा, प्रदीप कौशिक, भागीरथ शर्मा, अनिल वत्स, अशोक मेहंदीरत, महिला शाखा प्रमुख निर्मला देवी, सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।

मेहता खत्री ने शिरकत की। वहीं, हलवासिया विद्या विहार के प्राचार्य दीपक वशिष्ठ ने विशिष्ट अतिथि के रूप में गरिमाययी उपस्थिति दर्ज कराई। बरवाला से पहुंचे पूर्व जिला समन्वयक हिसार डा. शिवकुमार कौशिक ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की तथा पर्यवेक्षक सुनिता जाखड़ रही।

कृष्ण कुमार शर्मा के निधन से बवानीखेड़ा में शोक की लहर

हरिभूमि न्यूज ►► बवानीखेड़ा

इन्होंने जताया शोक

बवानीखेड़ा के वरिष्ठ समाजसेवी, बीके वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के डायरेक्टर एवं श्री सनातन गौ सेवा धाम समिति से जुड़े 67 वर्षीय कृष्ण कुमार शर्मा का निधन हो गया। सामाजिक, धार्मिक एवं शिक्षण संस्थाओं से जुड़े लोगों सहित बड़ी संख्या में नागरिकों ने शोक व्यक्त करते हुए दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि दी और परिजनों को ढाँढस बंधाया। कृष्ण कुमार शर्मा समाजसेवा और गौसेवा के क्षेत्र में पहनवा रखते थे। उन्हें क्षेत्र में दानवीर के नाम से भी जाना जाता था। वे हर वर्ष स्थानीय गौशाला में करीब 1000 मण तूड़ा गावों के लिए उपलब्ध करवाते थे। इसके अलावा उन्होंने गौशाला में गावों के लिए



बवानीखेड़ा। कृष्ण कुमार के स्वर्गवास पर शोक व्यक्त करते हुए विधायक व अन्य।



बाढ़ड़ा। गांव डूडीवाला में रक्तदान शिविर में भागीदारी करते युवा।

डूडीवाला किशनपुरा में 31 ने किया रक्तदान

बाढ़ड़ा। गांव डूडीवाला की सैनी धर्मशाला में रक्तदान शिविर का आयोजन किया, जिसमें युवाओं ने बड़ चढ़कर भागीदारी की। कार्यक्रम में पूर्व छात्र नेता एवं भाजपा जिला उपाध्यक्ष पूर्ण उमरवास ने बतौर मुख्यतिथि शिरकत की। शिविर में सिविल अस्पताल चरखी दादरी की टीम ने 31 यूनिट ब्लड एकत्रित किया। शिविर में युवा साथियों ने उत्साह एवं जोश के साथ सहभागिता की और रक्तदान कर दूसरों को भी रक्तदान के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर गांव डूडीवाला किशनपुरा के सरपंच प्रतिनिधि संत कुमार, राजेंद्र, रामकरण, विनोद, प्रवीण सैनी व दिनेश आदि मौजूद रहे।



चरखी दादरी। नवनिर्वाचित प्रधान संदीप वर्मा को सम्मानित करते एसोसिएशन के सदस्य।

संदीप वर्मा दादरी कैमिस्ट एसोसिएशन के प्रधान बने चरखी दादरी। दादरी कैमिस्ट एसोसिएशन के चुनाव में संदीप वर्मा को सर्वसम्मति से निर्विरोध प्रधान निर्वाचित घोषित किया।

चुनाव अधिकारी एडवोकेट पवन बंसल ने चुनाव प्रक्रिया की जानकारी देते हुए बताया कि 23 अगस्त को नामांकन प्रक्रिया के दौरान प्रधान पद के लिए संदीप वर्मा, अनिल कुमार और बलवान सिंह ने अपने नामांकन पत्र दाखिल किए थे। नामांकन के बाद एसोसिएशन में आपसी सहमति एवं सांगठनिक एकजुटता का परिचय देते हुए अनिल और बलवान ने संदीप वर्मा के समर्थन में अपने नामांकन पत्र वापस ले लिए। इसके बाद प्रधान पद के चुनाव मैदान में केवल संदीप वर्मा ही उम्मीदवार रह गए। चुनाव अधिकारी पवन बंसल ने उन्हें दादरी कैमिस्ट एसोसिएशन का निर्विरोध प्रधान निर्वाचित घोषित किया। संदीप वर्मा के निर्विरोध चुने जाने की घोषणा होते ही एसोसिएशन के सदस्यों और समर्थकों ने उनका स्वागत किया और उन्हें बधाई दी।



चरखी दादरी। स्कूल में विद्यार्थियों के साथ आईआरएस विकास सांगवान।

रुचि एवं क्षमता पहचानकर करें करियर का चुनाव : सांगवान

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ चरखी दादरी

गांव चरखी स्थित ग्रीन मीडोज वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में विद्यार्थियों के लिए करियर काउंसलिंग सत्र का आयोजन किया। कार्यक्रम में कक्षा सातवीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों ने भाग लिया। बतौर मुख्यतिथि पहुंचे आईआरएस विकास सांगवान ने द्वीप प्रज्वलित करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया। स्कूल प्राचार्य सुरेश सांगवान, प्रबंधन समिति के अरविंद सांगवान, योगेंद्र सांगवान सहित अन्य सदस्यों ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया। काउंसलिंग सत्र के दौरान आईआरएस विकास सांगवान ने विद्यार्थियों को करियर के विभिन्न विकल्पों की जानकारी दी। उन्होंने डॉक्टर एवं इंजीनियर जैसे पारंपरिक क्षेत्रों के साथ डिजिटल मार्केटिंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डेटा साइंस व रचनात्मक क्षेत्रों में तेजी से बढ़ रहे रोजगार के अवसरों की जानकारी दी। विद्यार्थियों की सहायता के लिए उन्होंने मौके पर ही सीएस मार्गदर्शन ऐप एवं प्लेटफॉर्म का शुभारंभ भी किया। उन्होंने विद्यार्थियों को सफलता का मूलमंत्र बताते हुए कहा कि करियर का फैसला सामाजिक या पारिवारिक दबाव में आकर नहीं करना चाहिए।

हरिभूमि

आवश्यक सूचना

जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या [व्हाट्सअप करें](#) :-

हरिभूमि, ऑफ नं. 47, इन्फ्रवर्मेंट ट्रस्ट मार्केट, मिवांनी
फोन नं. : 8814999151, 9253681005, 8295157800

उच्चतर शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार मेजर ध्यानचंद की जयंती एवं राष्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष्य में मनाया जा रहा खेल महोत्सव

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ मिवांनी

उच्चतर शिक्षा विभाग हरियाणा के निर्देशानुसार मेजर ध्यानचंद की जयंती एवं राष्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष्य में 29 से 31 अगस्त तक मनाए जा रहे खेल महोत्सव के अंतर्गत वैश्य महाविद्यालय भिवानी के स्पोर्ट्स बोर्ड द्वारा फ्रेंडली खेल प्रतियोगिता का आयोजन प्राचार्य डॉ संजय गोयल के नेतृत्व एवं स्पोर्ट्स बोर्ड के अध्यक्ष डॉ सुरेन्द्र दलाल एवं सचिव भूपेंद्र सिंह की देखरेख में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ वैश्य कॉलेज प्रबंध समिति के कोषाध्यक्ष बृजलाल सराफ, प्राचार्य डॉ. संजय गोयल, डॉ. सुरेन्द्र दलाल एवं खेल इंचार्ज भूपेंद्र सिंह ने किया। इस अवसर पर मुख्यातिथि बृजलाल सराफ ने कहा कि खेल केवल शारीरिक स्वास्थ्य के लिए ही नहीं, बल्कि विद्यार्थियों में अनुशासन, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता एवं टीम भावना विकसित करने का भी सशक्त माध्यम है। कॉलेज प्राचार्य डॉ. संजय गोयल ने कहा कि वैश्य कॉलेज विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए शिक्षा के साथ खेल गतिविधियों को भी विशेष महत्व देता है। खेलों के माध्यम से विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा निखारने और महाविद्यालय एवं क्षेत्र का नाम रोशन करने का अवसर

खेल विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में सहायक : सराफ

खेलों में जीत-हार से अधिक महत्वपूर्ण खेल भावना के साथ भाग लेना



भिवानी। खेलकूद प्रतियोगिता शुरू करवाते हुए।

फोटो: हरिभूमि

मिलता है। उन्होंने सभी प्रतिभागी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि खेलों में जीत-हार से अधिक महत्वपूर्ण खेल भावना के साथ भाग लेना है। खेल इंचार्ज भूपेंद्र सिंह ने बताया कि राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर महाविद्यालय में विद्यार्थियों के लिए विभिन्न खेल गतिविधियों एवं प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। उन्होंने कहा कि महाविद्यालय में खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

इस अवसर पर आत्मरक्षा खेल सेल्फ डिफेंस (पेंचक सिलाट) के खिलाड़ियों को बैग वितरित किए गए। कार्यक्रम के दौरान सेल्फ

डिफेंस खेल में भाग लेने वाले कुल 20 विद्यार्थियों को बैग वितरित किए गए। इनमें प्रतीक (बी.ए. प्रथम), रईस (बी.ए. प्रथम), नितिन (बी.बी.ए. प्रथम), हर्ष (बी.ए. प्रथम), प्रिंस (बी.कॉम. प्रथम), राखी (बी.ए. प्रथम) तथा चेतना (बी.ए. द्वितीय) सहित अन्य विद्यार्थी शामिल रहे। बैग प्राप्त कर विद्यार्थियों में विशेष उत्साह देखने को मिला। इस अवसर पर खेल इंचार्ज भूपेंद्र सिंह ने महाविद्यालय प्रबंध समिति, प्राचार्य, शिक्षकों एवं सभी विद्यार्थियों का कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने विशेष रूप से सेल्फ डिफेंस पेंचक सिलाट के खिलाड़ियों की सहभागिता एवं उत्साह की सराहना की।



बहल। खेल प्रतियोगिता में उपस्थित प्रतिभागी व शिक्षक।

फोटो: हरिभूमि

प्रतिभागियों ने दिखाया दमखम

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ बहल

बीआरसीएम शिक्षण समिति द्वारा संचालित विभिन्न शिक्षण संस्थानों में राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर तीन दिवसीय खेल प्रतियोगिताओं एवं विभिन्न खेल गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम हॉकी के महान खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद की जयंती के उपलक्ष्य में हुआ। प्रतिदिन प्रातः फिट इंडिया मूवमेंट के तहत व्यायाम एवं शारीरिक गतिविधियां कराई गईं। समिति के स्पोर्ट्स विभाग ने विद्यार्थियों, शिक्षकों और कर्मचारियों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित कीं।

मुख्य अतिथि निदेशक डॉ. एस. के. सिन्हा ने कहा कि खेल शारीरिक स्वास्थ्य के साथ अनुशासन, नेतृत्व, टीम भावना और सकारात्मक सोच का विकास करते

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर डॉ. एस. के. सिन्हा, निदेशक, डॉ. अजुज शर्मा, प्राचार्य बीआरसीएम कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, डॉ. सुनील शुक्ला, प्राचार्य बीआरसीएम लॉ कॉलेज, राजेश झाड़ाड़िया, प्राचार्य बीआरसीएम ज्ञानकुंज स्कूल, संदीप टंडन, प्राचार्य बीआरसीएम शिशु कुंज स्कूल, सरस्वती दीक्षित, उप-प्राचार्य बीआरसीएम ज्ञानकुंज स्कूल, पवन पटवाल, रजिस्ट्रार, डॉ. दिनेश कुमार, डॉ. विवेक कुमार, डॉ. संजय गौड़, डॉ. सुखेन्द्र महाला, डॉ. पवन, रामकिशन, संदीप लाखलाण, मदन मोहन, डॉ. अंजू, डॉ. पूनम सहित संस्थान के अन्य शिक्षक, कर्मचारी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

हैं। उन्होंने मेजर ध्यानचंद को श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके जीवन के रोचक पहलुओं से अवगत करवाया।

- पालुवास में क्षत्रिय महासभा ट्रस्ट की बैठक में शिक्षा, स्वास्थ्य, संस्कार एवं रोजगार पर मंथन

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ मिवांनी

गांव पालुवास में अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा ट्रस्ट की बैठक हुई। बैठक में समाज के संगठन को सुदृढ़ करने, आपसी भाईचारे को बढ़ावा देने तथा युवाओं को सामाजिक सरोकारों से जोड़ने जैसे विषयों पर गहन विचार-विमर्श हुआ।

इस दौरान शिक्षा, स्वास्थ्य, संस्कार और रोजगार के मूलभूत मुद्दों को केंद्र में रखकर सामाजिक उत्थान की भावी रणनीति तैयार की। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला संरक्षक डॉ. महेंद्र सिंह चौहान ने की, जबकि अखिल ट्रस्ट के राष्ट्रीय संगठन मंत्री नेत्रपाल तंवर बतौर मुख्यतिथि उपस्थित रहे। कार्यक्रम

समाज की मजबूती के लिए भाईचारा एवं एकजुटता पहली प्राथमिकता: तंवर



भिवानी। अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा ट्रस्ट की बैठक में मौजूद पदाधिकारी व सदस्य।

फोटो: हरिभूमि

की शुरुआत में जिला सचिव आकाश तंवर सहित अन्य पदाधिकारियों ने मुख्यतिथि नेत्रपाल तंवर का पगड़ी व फूल-माला पहनाकर स्वागत किया। बाबा धुणीवाला डेरे के महंत महाबीर महाराज सम्मान कर सभी

उपस्थितजनों ने उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। मुख्यतिथि तंवर ने कहा कि आने वाले समय में समाज की सबसे पहली प्राथमिकता आपसी भाईचारा एवं एकजुटता होनी चाहिए। केवल संगठन का विस्तार ही काफी नहीं है,

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर उदयवीर सिंह तंवर, बिजेंद्र तंवर, संजय चौहान, निवेश तंवर, जितेंद्र, प्रदीप, संदीप, मोहित, सविन, अमरजीत, अंशुल तंवर, योगेश चौहान, कोकी तंवर, पवन तंवर, शुभम चौहान लक्वी, मुकेश तंवर, संजय गांधी, जोगेंद्र तंवर, अमित तंवर व राजेंद्र तंवर आदि मौजूद रहे।

बल्कि हमें शिक्षा, स्वास्थ्य, संस्कार और रोजगार जैसे जमीनी मुद्दों पर निरंतर काम करना होगा। डॉ. महेंद्र चौहान ने युवाओं से नशे जैसी कुरीतियों से दूर रहने का आह्वान करते हुए कहा कि स्वस्थ और संस्कारित युवा ही सशक्त समाज की नींव रख सकता है।

महंगाई ने बढ़ाई पशुपालकों की चिंता

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ बवानीखेड़ा

बवानीखेड़ा के शहीद गुलाब सिंह पार्क में रविवार को दूध के भाव बढ़ाने को लेकर पशुपालकों, दूध विक्रेताओं एवं डेयरी संचालकों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में मंदीप उर्फ कालू भाकर, मोंटी, राहुल सांगवान, विकास सांगवान, सुनील, अजीत, मदन, बलवान, कालिया सहित अनेक लोगों ने भाग लिया।

बैठक में पशुपालकों और डेयरी संचालकों ने बढ़ती महंगाई के बीच दूध के मौजूदा भाव को लेकर चिंता जताई। बैठक में पशुपालकों ने कहा कि पशुओं के चारे और अन्य

- दूध के दाम बढ़ाने की मांग को लेकर बैठक

आवश्यक सामान की कीमतों में पिछले कुछ समय में काफी बढ़ोतरी हुई है। उन्होंने बताया कि पशुओं के लिए इस्तेमाल होने वाली खल की कीमत करीब 1200 रुपये से बढ़कर 2700 रुपये तक पहुंच गई है। इसी प्रकार बिनीला 1500 रुपये से बढ़कर करीब 3000 रुपये, चूरी 1500 रुपये से बढ़कर 3000 रुपये तथा चना 4000 रुपये से बढ़कर करीब 6500 रुपये तक पहुंच चुका है। पशुपालकों ने कहा कि केवल पशु आहार ही महंगा नहीं हुआ, बल्कि घरेलू उपयोग की कई

आवश्यक वस्तुओं के दाम भी लगातार बढ़े हैं।

चीनी की कीमत 40 रुपये से बढ़कर करीब 70 रुपये के पार, सरसों का तेल 150 रुपये से बढ़कर करीब 200 रुपये तथा गुड़ की कीमत 50 रुपये से बढ़कर करीब 85 रुपये तक पहुंच गई है। इसके बावजूद दूध के भाव लंबे समय से लगभग वहीं बने हुए हैं। बैठक में वक्ताओं ने कहा कि पशुपालन किसानों और ग्रामीण परिवारों की आय का महत्वपूर्ण साधन है। पशुओं के चारे, दवाइयों, देखभाल और श्रम पर लगातार खर्च बढ़ रहा है, लेकिन दूध की कीमत में उसके अनुरूप बढ़ोतरी नहीं हुई है।

जिला पटवार एवं कानूंगो संगठन करेगा शिविर का आयोजन

भिवानी। दी रेवन्यू पटवार एवं कानून्गो एसोसिएशन हरियाणा के आह्वान पर जिले के तमाम पटवारी और कानून्गो जिला मुख्यालय पर सोमवार को भी सातवें दिन धरने पर बैठेंगे। सुबह 10 बजे जिला पटवार एवं कानून्गो संगठन द्वारा रक्तदान शिविर लगाया जाएगा जिसमें पटवारी और कानून्गो बड़ चढ़कर रक्तदान करेंगे। दी रेवन्यू पटवार एवं कानून्गो एसोसिएशन हरियाणा के राज्य उप प्रधान विकास राठी ने बताया कि नए पोर्टल पर आ रही तकनीकी समस्याएं दूर नहीं हो जाती और डिजिटल क्रांप सर्वे को अन्य राज्यों की तरह किफाई प्राइवेट एजेंसी से कराने का निर्णय हरियाणा सरकार नहीं लेती तब तक समस्त हरियाणा के पटवारी और कानून्गो सांकेतिक धरने पर रहेंगे।



चरखी दादरी। राष्ट्रदीप परमार को पदभार ग्रहण करवाते सांसद धर्मवीर सिंह, विधायक सुनील सांगवान व उमेश पातुवास।

फोटो: हरिभूमि

और जनकल्याण की कामना की गई। सांसद चौधरी धर्मवीर सिंह ने राष्ट्रदीप परमार को नई जिम्मेदारी के

लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भाजपा का संगठन कार्यकर्ताओं की मेहनत, समर्पण एवं अनुशासन की

पदभार ग्रहण समारोह

सांसद एवं विधायकों की मौजूदगी में राष्ट्रदीप ने संभाला भाजपा जिलाध्यक्ष का पदभार

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ चरखी दादरी

दादरी के दिल्ली बाईपास स्थित भाजपा कमल कार्यालय में रविवार को नवनिर्वाचित भाजपा जिलाध्यक्ष एडवोकेट राष्ट्रदीप परमार का पदभार ग्रहण समारोह आयोजित किया। कार्यक्रम में भिवानी महेंद्रगढ़ लोकसभा क्षेत्र से सांसद चौधरी धर्मवीर सिंह, दादरी विधायक सुनील सांगवान व बाढ़ड़ा विधायक उमेश पातुवास मुख्य रूप से मौजूद रहे। समारोह का शुभारंभ हवन-पूजन और मंत्रोच्चार के साथ हुआ। हवन में आहुति देकर संगठन की मजबूती, क्षेत्र की सुख-समृद्धि

संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने का लिया संकल्प

भाजपा का संगठन कार्यकर्ताओं की मेहनत और समर्पण की नींव पर खड़ा : सांसद

प्रत्येक कार्यकर्ता संगठन की ताकत

बाढ़ड़ा विधायक उमेश पातुवास ने कहा कि भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता संगठन की ताकत है। उन्होंने विश्वास जताया कि राष्ट्रदीप के नेतृत्व में पार्टी संगठन बूथ स्तर तक और मजबूत होगा। नवनिर्वाचित जिलाध्यक्ष राष्ट्रदीप ने पार्टी नेतृत्व, सांसद, विधायकों व कार्यकर्ताओं का आभार जताते हुए कहा कि पार्टी ने उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी है, उसका पूरी ईमानदारी से निर्वहन करेंगे और संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर स्टेट चैयर हाउस चैयरमैन रामकिशन, महिला विकास निगम की चैयरपर्सन सुनीता दांगी, जिला प्रमारी शैलेन्द्र पांडे, गुरुग्राम प्रमारी संदीप जोशी, जिला परिषद चैयरमैन मंडीप डालावास आदि मौजूद रहे।

मजबूत नींव पर खड़ा है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से राष्ट्रहित एवं जनताओं को प्राथमिकता देते हुए संगठन को और मजबूत करने का आह्वान किया। दादरी विधायक

सुनील सांगवान ने कहा कि राष्ट्रदीप के नेतृत्व में जिला संगठन को नई ऊर्जा एवं दिशा मिलेगी। उन्होंने कार्यकर्ताओं से एकजुटता के साथ काम करने के लिए प्रेरित किया।